

सैंधी स्त्री. (तत्.) खजूर या ताड़ आदि का मादक रस, ताड़ी स्त्री. (देश.) बछी, भाला, शक्ति।

सैंधू स्त्री. (तद्.) सैंधवी, एक रागिनी।

सैंबल पुं. (तद्.) शाल्मलि, सेमल का पेड़।

सैंवर पुं. (देश.) साँभर।

सैंह वि. (तद्.) सिंह जैसा, सिंह का, सिंह संबंधी, शेर का।

सैंहथी स्त्री. (देश.) बछी, छोटा भाला।

सैंहल वि. (तत्.) लंका अथवा सिंहल द्वीप-संबंधी, सिंहलका, सिंहल द्वीप में उत्पन्न।

सैंहली स्त्री. (तत्.) सिंहली पिप्पली।

सैंहिक पुं. (तत्.) राहु, सिंहिका का पुत्र सिंह की भाँति, सिंह तुल्य।

सैंहिकेय पुं. (तत्.) राहु, सिंहिका की संतान (एक दानव वर्ग) वि. सिंहिका से उत्पन्न।

सैं स्त्री. (तद्.) 1. बढ़त, बढ़ती, वृद्धि, वृद्धि, प्राप्ति, लाभ 2. ताकत 3. शक्ति 4. सार, तत्व, सत्त्व 5. वीर्य, ओज।

सैंकट वि. (तद्.) बर्बाद होना, क्षीण होना, नष्ट होना देश पुं. 1. बबूल की जाति का एक पेड़ जिसकी छाल सफेद होती है 2. धौला खैर 3. कुमंतिया।

सैंक वि. (देश.) सौ, सैंकड़ा, शत-शत, सैंकड़ो।

सैंकड़ा पुं. (देश.) सौ, एक सौ वि. सौ की समष्टि, सौ का समूह क्रि.वि. प्रति सौ के हिसाब से, प्रतिशत।

सैंकड़ों वि. (देश.) कई सौ, (संख्या में) बहुत अधिक।

सैंकत पुं. (तत्.) 1. सिकता या रेत से संबंधित, बलुआ 2. बालू या बालुकामय तट, रेतली भूमि या रेतली किनारा, रेत से बना, रेत की कंकरीला 3. एक ऋषि वंश वि. बालुका या बालू से बना या भरा हुआ, सिकतामय, रेतली।

सैंकतिक पुं. (तत्.) 1. कलाई, गले आदि में बाँधा जाने वाला गंडा, मंगल सूत्र 2. संयुक्त व्यक्ति क्षपणक, साधु, संन्यासी, संन्यास वि. 1. संशय जीवी, मरीचिका या संदेह में पड़ा रहने वाला, संदेह जीवी, संदेह से ग्रस्त, संदेहालु 2. तट संबंधी, सिकतामय रेतली तट से संबंधित 3. घट-बढ़ होने वाला 4. तरंगित।

सैंकती वि. (तत्.) बालुकामय, सिकता-युक्त, रेतली, बलुआ (तट या भूमि)।

सैंकरीन स्त्री. (अं.) तारकोल से प्राप्त होने वाला एक बहुत मीठा पदार्थ।

सैंकल पुं. (अर.) हथियारों को माँजकर चमकाना, जिला, सफाई, धातु से बने बर्तन का चमकाना।

सैंकलगर पुं. (अर.) सान धरने वाला, हथियार पर चमक लाने वाला, हथियार तेज करने वाला, सिकलीकर।

सैंका पुं. (तत्.) 1. कटकर आई हुई फसल की राशि या ढेर 2. घास, डंठलों आदि के एक सौ पूले 3. मिट्टी का वह छोटा बरतन जिससे रेशम रँगने का रंग डाला जाता है। कोल्हू से गन्ने का रस निकालने का घड़े जैसा मिट्टी का पात्र जिसे कड़ाह में पकने के लिए रखा जाता है।

सैंकितक वि. (तद्.) सूक्त संबंधी, सूक्त का, सूक्त के रूप में होने वाला पुं. शैकितक, शुक्ति या सीपी से उत्पन्न।

सैंक्य वि. (तत्.) 1. सिंचाव पर निर्भर 2. एकता-युक्त या विशिष्ट, ऐक्य से युक्त पुं. 1. सेन पीपल 2. एक प्रकार का बढ़िया पीतल।

सैंकाव वि. (तत्.) चीनी मिलाया हुआ, शर्करा या चीनी युक्त।

सैंक्सन पुं. (अं.) उत्तरी जर्मनी की एक जाति जो ईसा की पाँचवी-छठी सदी में इंग्लैंड पर कब्जा कर वहीं बस गई, उस जाति की भाषा वि. सैंक्सन जाति का।